Regarding connecting all the North-Eastern states through an integrated tourism circuit to promote tourism and generate employment- Laid

श्री दिलीप शइकीया **(दारंग-उदालगुड़ी) :** पूर्वोत्तर भारत में प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता और समृद्ध जनजातीय संस्कृतियों के कारण यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन रहा है, जो देश दुनिया के विभिन्न प्रकार के पर्यटकों को आकर्षित करता है । वर्ष 2024 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर पर पर्यटन दर्ज किया गया, जिसमें 1 करोड़ 20 लाख से अधिक घरेलू तथा 2 लाख से अधिक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक शामिल थे । भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में काजीरंगा, मानस, नामेरी, ओरांग, नामधाफा, बलपक्रम, केबुल नामजाओ, इंटंकी, कंचनजंगा जैसे राष्ट्रीय उद्यान कई वन्यजीव अभयारण्यों का घर है । पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में बहुत से ऐतिहासिक स्थल स्थित है, जिनमें से कुछ यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल है । जुलाई 2024 में असम के चराइदेव मोइदम्स को भी भारत का 43 वां विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है । द न्यू यॉर्क टाइम्स की एक हालिया रिपोर्ट में असम को दुनिया का चौथा सबसे दर्शनीय स्थल बताया गया है । मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि देश के पूर्वोत्तर राज्यों में असीम पर्यटन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सम्पूर्ण पूर्वोत्तर राज्यों को एक एकीकृत पर्यटन सर्किट से जोड़ने की योजना तैयार की जाए, ताकि पर्यटन के साथ रोजगार सृजन कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढाने में मदद मिले ।